पत्रांकः– 04/NULM-05/16/....2382..../न0वि0एवंआ0वि0

बिहार सरकार
नगर विकास एवं आवास विभाग

प्रेषक,

प्रधान सचिव
नगर विकास एवं आवास विभाग।

सेवा में,

आंचलिक प्रबंधक, पंजाब नैशनल बैंक,
आंचलिक प्रबंधक, बैंक ऑफ बरौदा,
आंचलिक प्रबंधक, केनरा बैंक,
आंचलिक प्रबंधक, इलाहाबाद बैंक,
आंचलिक प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,
आंचलिक प्रबंधक, देना बैंक,
आंचलिक प्रबंधक, सिंडिकेट बैंक,
आंचलिक प्रबंधक, बिहार ग्रामीण बैंक,
आंचलिक प्रबंधक, सेण्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया,
आंचलिक प्रबंधक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक,
आंचलिक प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया,
आंचलिक प्रबंधक, इंडियन ओवरसिज बैंक,
आंचलिक प्रबंधक, विजया बैंक,
आंचलिक प्रबंधक, आई0डी0बी0आई0 बैंक,
आंचलिक प्रबंधक, यूनाइटेड कॉमर्शियल बैंक,
आंचलिक प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया,
श्री राजीव कुमार दास, संयोजक, SLBC,

पटना, दिनांक....20/10/17....

विषयः– **दीनदयाल अन्त्योदय योजना–राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) के घटक Self Employment Programme (SEP) के अन्तर्गत शहरी गरीबों के वित्तपोषण (Credit Linkage) तथा सबके लिए आवास योजनान्तर्गत ऋण आधारित ब्याज सब्सिडी योजना (CLSS) घटक के कार्यान्वयन में अपेक्षित प्रगति प्राप्त करने के संबंध में।**

प्रसंगः– विभागीय पत्रांक 2236 दिनांक 26.09.2017

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासांगिक पत्र का स्मरण किया जाय। प्रासांगिक पत्र के द्वारा प्रधान मंत्री आवास योजना के CLSS घटक के कार्यान्वयन में गति प्रदान करने हेतु आप सबों के साथ श्री सुशील कुमार मोदी माननीय उप मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक 21.09.2017 को किये गए समीक्षात्मक बैठक में दिये गए निदेश के अनुपालन हेतु पत्र दिया गया था।

इसी क्रम में कहना है कि DAY-NULM का SEP घटक शहरी गरीबों का वित्तपोषण करके स्वरोजगार उपलब्ध करने के लिए एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण योजना है। विदित हो कि इस योजना

के SEP घटक की प्रगति बैंकों के द्वारा ध्यान नहीं दिये जाने के कारण काफी असंतोषप्रद है। वित्तीय वर्ष 2015–16 में 2500 लक्ष्य के विरूद्ध 164 लाभुकों का तथा वित्तीय वर्ष 2016–17 में 10000 लक्ष्य के विरूद्ध 1477 लाभुकों का वित्त पोषण किया जा सका है। इसी प्रकार वर्त्तमान वित्तीय वर्ष 2017–18 में 5000 लक्ष्य के विरूद्ध अबतक 380 लाभुकों का ही वित्त पोषण हो सका है। यह स्थित अत्यंत ही चिन्ताजनक है। उल्लेखनीय है कि माननीय उप मुख्यमंत्री द्वारा SLBC के आगामी बैठक में अन्य बिन्दुओं के साथ वर्णित दोनों योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जायेगी।

अतः वर्णित परिप्रेक्ष्य में अनुरोध है कि केन्द्र प्रायोजित PMAY के CLSS घटक तथा DAY-NULM के SEP घटक के कार्यान्वयन में अपेक्षित गति प्रदान करने हेतु अपने स्तर से निम्न कार्रवाई की जायः–

1. दोनों योजनाओं के आमजनों में प्रचार प्रसार हतु सभी बैंकों की शाखाओं में सरल भाषा में बैनर, Standy एवं होर्डिंग आदि लगाये जाएँ।

2. प्रधानमंत्री मुद्रा योजनान्तर्गत जो शहरी गरीब लाभान्वित हुए हैं, उसकी पूर्ण जानकारी नगर निकाय को दी जाय, ताकि उन्हें Self Employment Programme (SEP) की प्रगति में शामिल किया जा सके।

3. बैंकों में लंबित पड़े SEP के ऋण आवेदन पत्रों का निष्पादन अविलंब किया जाय।

4. बड़े–बड़े शहरों को चिन्हित् करके वहॉ के बैंक शाखा प्रबंधकों को दोनों योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारियॉ भी दी जाय तथा इन बैंकों से गृह ऋण तथा SEP ऋण मेला का आयोजन कराया जाय।

5. बैंकों द्वारा स्वीकृत किये जाने वाले गृह ऋण के लाभुक यदि PMAY (U) योजनान्तर्गत CLSS घटक के अधीन लाभुक के श्रेणी में पात्रता रखते हैं, तो उन्हें इस योजना के अन्तर्गत आच्छादित किया जाय।

6. जून, 2015 के बाद स्वीकृत गृह ऋण लेने वाले EWS एवं LIG श्रेणी के लाभुक भी यदि पात्रता रखते हैं, तो उन्हें योजनान्तर्गत आच्छादित किया जाय। वर्ष 2017 में गृह लेने वाले MIG श्रेणी के लाभुक यदि पात्रता रखते हैं, तो उन्हें भी योजना के अन्तर्गत आच्छादित किया जाय।

अतः अनुरोध है कि योजना के कार्यान्वयन में गति प्रदान करने हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई की जाय, ताकि दोनों योजनाओं में अपेक्षित प्रगति परिलक्षित हो सके।

विश्वासभाजन

18/10/2017

प्रधान सचिव

नगर विकास एवं आवास विभाग।